

बच्चों के लिए^१ प्रार्थना वाचा

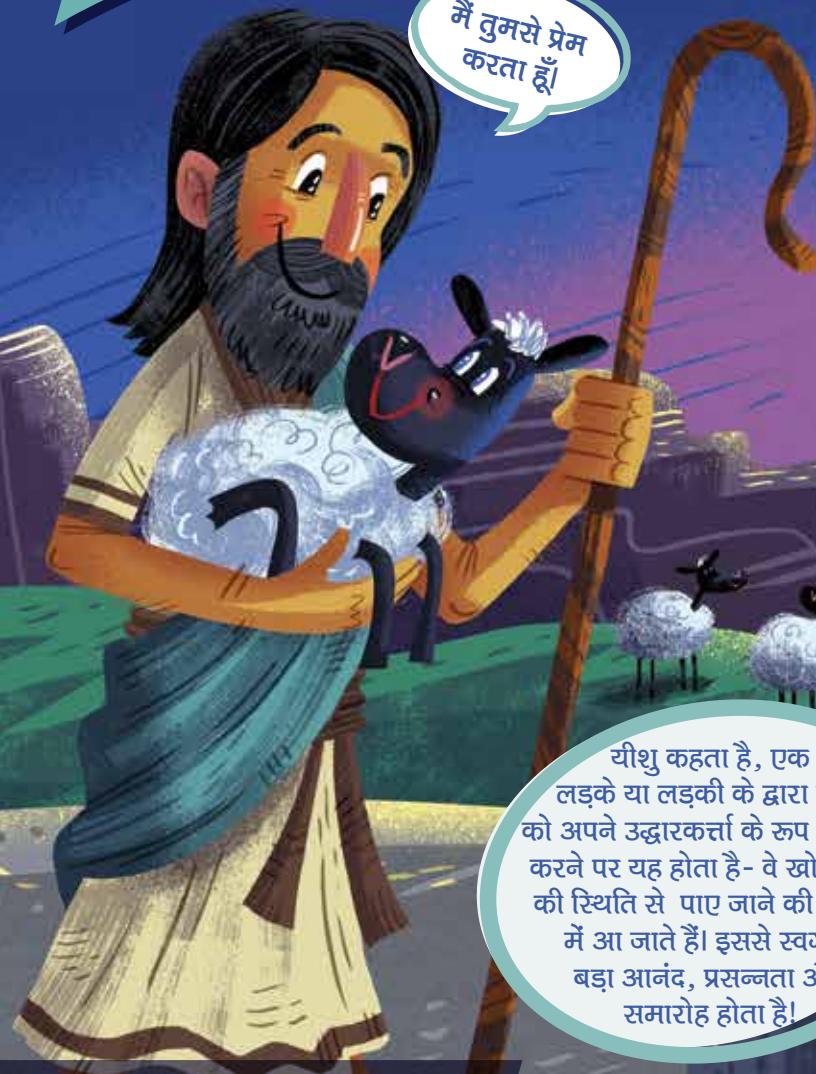


सृष्टि का कर्ता, हमारा सृष्टिकर्ता, परमेश्वर प्रार्थनाओं को सुनता और
उनका उत्तर देता है। क्या यह अद्भुत नहीं? यीशु ने कहा, खर्ग और पृथ्वी का
सारा अधिकार मुझे दिया गया है। अतः यदि यीशु के पास सारा अधिकार है,
तो क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि आपके प्रार्थना करने पर क्या होगा....

अनुव्रह

हे पिता जो स्वर्ग में है, मुझसे प्रेम करने और मुझे अपनी सन्तान बनाने के लिए आपका धन्यवाद।

मैं तुमसे प्रेम करता हूँ!



यीशु कहता है, एक लड़के या लड़की के द्वारा यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करने पर यह होता है - वे खोए जाने की स्थिति से पाए जाने की स्थिति में आ जाते हैं। इससे स्वर्ग में बड़ा आनंद, प्रसन्नता और समारोह होता है!

स्मरण पद

पिता ने हमसे कैसा प्रेम किया है कि हम परमेश्वर की सन्तान कहलायें, और हम हैं भी! - 1 यूहन्ना 3:1

यीशु प्रत्येक को यह बताना चाहता है कि परमेश्वर उनसे कितना अधिक प्रेम करता है इसीलिए वह एक चरवाहे और उसकी खोई हुई भेड़ की कहानी सुनाता है। चरवाहा अपनी उस खोई हुई एक भेड़ के लिए इतना परेशान था कि वह शेष भेड़ों को छोड़कर खोई हुई भेड़ को ढूँढने के लिए जिकल गया, क्योंकि वह उसे सुरक्षित रखना चाहता था। भेड़ असभ्य जानवर होती हैं और वे कई बार भटक कर अपने ही मार्ग पर चलने लगती हैं। भालू या शेर उन्हें खाने के लिए आकर्षित हो सकते हैं।

चरवाहे का काम भेड़ को खतरे से बचाने का है और उसने यही किया। खोई हुई भेड़ के मिल जाने पर वह इतना प्रसन्न हुआ कि वह घर तक उसे अपने हाथों में उठाकर लाया और उसने एक बड़ी दावत दी!

अपनी प्रसन्नता में यीशु आप पर आनंदित होता है। अपने प्रेम से वह आपको शान्ति देता है। गाते हुए वह आप पर आनंद करता है।

प्रेम

आपसे प्रेम और आपका आज्ञा
पालन करने में मेरी सहायता करें।

अब्राहम ने परमेश्वर से प्रेम किया। वह बहुत, बहुत, बहुत... पहले रहा करता था। उसके बूढ़े हो जाने पर परमेश्वर ने उससे कहा, “अपने देश, अपने परिवार और अपने कुटुंबियों को छोड़कर उस देश में चला जा जो मैं तुझे दिखाऊँगा। और मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊँगा, और तेरा नाम महान करूँगा, और तू आशीष का मूल होगा। भूमिंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पायेंगे।”

परमेश्वर चाहता है कि हम उसका आज्ञा-पालन करें। परमेश्वर का आज्ञा-पालन करने पर हम यह दिखाते हैं कि हम उससे प्रेम करते हैं।

रमरण पद

तू परमेश्वर अपने प्रभु से अपने सारे मन
और अपने सारे प्राण और अपनी सारी
बुद्धि के साथ प्रेम रखा बड़ी और मुख्य
आज्ञा तो यही है! – मत्ती 22:37,38

अब्राहम ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन किया। वह अपनी पत्नी और अपने सारे सामान के साथ एक नये घर की ओर चल दिया। अब्राहम की आज्ञाकारिता उसके विश्वास, प्रेम और आज्ञाकारिता में बढ़ने के आजीवन जोखिम का केवल एक आरंभ था।

सारा, यह
है प्रतिज्ञा की
भूमि!

परमेश्वर ने हमें
आशीष दी है!

आज्ञा-पालन और यीशु के पीछे
चलना एक रोमांचक यात्रा है!

करुणा

जिस प्रकार आप मुझसे प्रेम करते हैं वैसे ही दूसरों से प्रेम करने में मेरी सहायता करें।

जिस प्रकार परमेश्वर हमसे प्रेम करता है उसी तरह से दूसरों से प्रेम करने का क्या अर्थ है? आइये पता लगायें। किसी ने यीशु से पूछा, “मेरा पड़ोसी कौन है?” यीशु ने एक कहाँनी सुनाते हुए इसे स्पष्ट किया। वह एक अच्छा कहाँनी सुनाने वाला था।

डरो नहीं
मैं तुम्हारी देखभाल
करूँगा।

कृपया
मेरी सहायता
करें।

स्मरण पद

मेरी आज्ञा यह है, कि जैसा मैंने तुझसे प्रेम रखा, वैसा ही तुम भी एक दूसरे से प्रेम रखो। – यूहन्ना 15:12

एक व्यक्ति सड़क से होकर यात्रा कर रहा था और बुरे लोगों के एक समूह ने उस पर हमला किया, उन्होंने उसे मारा-पीटा, उससे उसका सब कुछ छीन लिया और उसे मरने के लिए सड़क पर छोड़कर लाले गए। कई लोग उसके पास से होकर गए। उन्होंने उस पर करुणा नहीं की। तब एक सामरी ने; जिन्हें लोग तुच्छ दृष्टि से देखते थे नीचे झुककर उसके घावों को साफ करते व उन पर पट्टी बांधते हुए उसकी देखभाल की और उसकी स्थिति में सुधार लाने के लिए उसे एक सुरक्षित स्थान पर लेकर गया और उसकी देखभाल किये जाने के खर्च को भी उठाया।

यीशु ने यह कहते हुए कहानी को समाप्त किया,
“मैं चाहता हूं कि तुम भी दूसरों के साथ यही करो।”

मैं अपने कार्यों से प्रेम दिखाना
चाहता हूं, न कि केवल शब्दों से।

पश्चाताप

मैं अपने पापों के लिए
क्षमा चाहता हूं। मुझे
धोकर शुद्ध करें।

एक बार पतरस ने
यीशु से पूछा, “हमारे विरुद्ध
अपराध करने वाले व्यक्ति को हमें
कितनी बार क्षमा करना चाहिए क्या
सात बार?” यीशु ने कहा, 7 के 70
गुना, और फिर उसने एक
और कहानी बतानी
आरम्भ की।

प्यारे परमेश्वर,
कृपया हमें बचा।

मम्मी, मुझे
डर लग रहा है।

रमरण पद

मुझे भली-भाँति धोकर मेरा अधर्म
दूर कर और मेरा पाप छुड़ाकर मुझे
शुद्ध कर। – भजन संहिता 51:2

एक बार एक राजा था, उसने अपने सेवकों को यह बताने को बुलाया कि उन्होंने उससे कितना उधार लिया था। एक सेवक ने इतना उधार लिया था कि वह कभी भी उसे लौटा नहीं सकता था। राजा ने कहा, “तूने मुझसे जो उधार लिया है उसे पाने के लिए मैं तुझे और तेरे परिवार को दास के रूप में बेच दूँगा।” वह व्यक्ति रोने लगा। राजा को उस पर तरस आया और वह उससे बोला, “तुझे सारे उधार से मुक्त कर दिया गया है।”

वह व्यक्ति उधार से मुक्त होकर जब वहां से निकला तो उसे उसका एक सेवक दिखा निसने उससे बहुत कम रुपया उधार ले रखा था। उस व्यक्ति ने अपने सेवक से कहा कि यदि वह उसका रुपया नहीं लौटायेगा तो वह उसे जेल में डलवा देगा। उस सेवक ने उससे दया याचना की परन्तु इस व्यक्ति को उस पर तरस नहीं आया और उसे जेल में डलवा दिया।

मुझे क्या
करना चाहिए?

मैं तुमसे विनती
करता हूं, कृपया मुझ पर
और मेरे परिवार पर
दया करो।

यह जानकर राजा ने बहुत क्रोध में चिल्लाकर कहा, “हे दुष्ट दास!
मैंने तेरा सारा उधार क्षमा कर दिया, तूने अपने दास पर दया
क्यों नहीं दिखाई?” और राजा ने उसे जेल में डलवा दिया।

मैं दूसरों को क्षमा करना चाहता हूं
क्योंकि यीशु ने मुझे क्षमा किया है।

आराधना

मैं अपने सम्पूर्ण हृदय से
आपकी स्तुति करूँगा!



चमकीला तारा
हमें शिशु यीशु के पास
लेकर गया।

हमारे पास
उपहार हैं!

यीशु के जन्म पर हर कोई प्रसन्न था! स्वर्गदूतों ने नीचे आकर कहा, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।” चरवाहे शिशु यीशु से मिलने और उसकी आराधना करने को आए।

बहुत, बहुत समय पहले,
2000 वर्ष से भी अधिक पहले,
मरियम नामक एक युवा लड़की के पास
जिब्राइल नामक स्वर्गदूत आया। उसके पास एक
बहुत विशेष सन्देश था। “हे मरियम, भयभीत न
हो, क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह तुझ पर हुआ है।
देख, तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न
होगा और तू उसका नाम यीशु रखना। वह
महान होगा और परमप्रधान का
पुत्र कहलायेगा।”

स्मरण पद

हे यहोवा परमेश्वर, मैं अपने पूर्ण मन से तेरा
धन्यवाद करूँगा और मैं तेरे सब आश्चर्यकर्मों
का वर्णन करूँगा। – भजन संहिता 9:1

परमेश्वर की
उसके पुत्र के जन्म
के लिए स्तुति हो!

पृथ्वी पर
शान्ति हो!

मेरा सुन्दर
लड़का!

जैसे मरियम और यूसुफ, चरवाहों और ज्योतिषियों ने यीशु को आदर दिया और
उसकी आराधना की, वैसे ही हमें भी उसे आदर देना और उसकी आराधना करनी है।

मैं प्रतिदिन आपकी स्तुति करना चाहता हूँ!

समर्पण

यीशु, मैं आपको प्रभु मानकर
आपका अनुसरण करना चाहता हूं।
आप जैसे चाहें वैसे मुझे बदलें।

कौन मैं? नहीं
वह मैं नहीं था! चुप
हो जाओ!

तुम यीशु
के साथ थे!

यह व्यक्ति
यीशु के साथ
था!

यीशु ने पतरस से
कहा था कि मुर्गे के बांग देने से
पहले पतरस 3 बार इन्कार करेगा।
आंगन में जहां यीशु को क्रूस पर चढ़ाने से
पहले उससे पूछताछ की जा रही थी, पतरस
ने तभी ऐसा किया था। लोग पतरस को
पहचानने लगे, वह डर गया और उसने हर
बार इससे इन्कार किया कि वह यीशु
के साथ रहा था। तभी मुर्गे
ने बांग दी।

पतरस को अचानक यीशु की बात याद आई और वह रोता हुआ चला गया। पतरस को
बहुत बुरा लगा। यीशु पतरस से निराश नहीं हुआ था। अपने पुनरुत्थान के बाद उसने
पतरस के साथ नाश्ता किया और उसे क्षमा किया। यीशु चाहता था कि पतरस उसका
शिष्य बने और बहुतों को शिष्य बनाए। यद्यपि पतरस सिद्ध व्यक्ति नहीं था, तौभी
यीशु जानता था कि पतरस वास्तव में उसे प्रभु मानकर उसके पीछे चलना चाहता था।

हमें पता है
कि तू उनमें से एक है।
तेरी बोली गलीलियों
के समान है!

कुकुकु कूँ

पतरस ने फिर कभी यीशु का इन्कार नहीं किया।

समरण पद

तुम मुझे 'गुरु' और 'प्रभु' कहते
हो और ठीक ही कहते हो, क्योंकि
मैं वही हूं – यूहना 13:13

निर्भरता

मुझे अपने पवित्र
आत्मा से परिपूर्ण करें।

मैं अपने पिता से
कहांगा और वह सर्वदा तुम्हारे
साथ रहने को तुम्हें एक
और सहायक देगा, सत्य
का आत्मा भी।

वाह!

यह अद्भुत
है!

रमरण पद

आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ।
— इफिसियों 5:18 ब

यीशु ने कहा, “मैं
यहां से बहुत दूर जा रहा हूं, एक
ऐसे स्थान पर जहां तुम नहीं आ सकते।
परन्तु, घबराओ नहीं, मैं तुम्हारे लिए यहां
अपना आत्मा छोड़कर जा रहा हूं।” यीशु के
क्रूस पर मरने और खर्ग में पिता के
दाहिने हाथ पर बैठने को जी उठने से
पहले यही हुआ था। उसने हमें
अकेला नहीं छोड़ा।

यीशु ने कलीसिया की अपने उद्देश्य का आरंभ करने में सहायता के लिए
अपने आत्मा को भेजा। अधिक समय नहीं बीता था कि एक विशेष दिन
पर जो पिन्टेकुरुत कहलाया, बड़ी आंधी आयी, और उसने प्रत्येक को
अपने पवित्र आत्मा से भर दिया।

मैं तेरे साथ
जाना चाहता हूं।

धन्यवाद,
यीशु!

उसका आत्मा हमारे साथ सदैव हमारे सांत्वना देने वाले,
हमारे शिक्षक और हमारे मार्गदर्शक के रूप में है।

यीशु, अपने पवित्र आत्मा से भरते हुए
मुझे और अधिक अपने समान बनायें।

प्रभाव

मुझे अपने अनुग्रह, सत्य तथा
च्याय का एक साधन बनाएं।

यीशु, मैं भी
आपकी गोद में बैठना
चाहती हूँ!

शिष्यों ने यीशु से पूछा,
“स्वर्ग के राज्य में बड़ा कौन है?”
यीशु को पता था कि वे क्या सोच रहे थे,
और उसने एक बच्चे को बुलाया। उसने
अपने शिष्यों की आंखों में देखकर सबसे
अद्भुत बात कही, “जो कोई अपने
आप को इस बालक के समान छोटा
करेगा, वह स्वर्ग के राज्य
में बड़ा होगा।”

स्मरण पद

वचन देहधारी हुआ, और अनुग्रह और सच्चाई
से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया,
और हमने उसकी ऐसी महिमा देखी, जैसे
पिता के एकलौते की महिमा। – यूहना 1:14

यीशु व्याय प्रिये था। उसने कहा कि बच्चों को दुख पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति के
लिए परिणाम अच्छा नहीं होगा। वह सदैव उनकी सहायता करता था जिन्हें अनदेखा
किया जाता था जिनमें युवा, बीमार, और निर्धन लोग शामिल थे।

आकर मेरे साथ
खड़ा हो।

यीशु तू
मुझे चंगा कर
सकता है।

यीशु क्या
आप कुछ खाना
पसंद करोगे?

यीशु को
मुझसे प्रेम है।

यीशु ने कुछ और भी बहुत अद्भुत कहा, “जो कोई मेरे नाम से एक ऐसे
बालक को ग्रहण करता है वह मुझे ग्रहण करता है।” आप जानते हैं कि
यीशु का ऐसा कहने का यही अर्थ था क्योंकि वह केवल सच बोलता था।

मैं भी सदा सच बोलने का प्रयास करूँगा।

शिष्यता

अपनी महिमा के लिए और
अन्य लोगों को आपका
अनुसरण करने का निमंत्रण
देने को मेरा उपयोग करें।

प्रभु, तू कौन है?

पौलुस बाइबल में
बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति है। उसने
नये नियम की बहुत सी पुरतकों
को लिखा था। परन्तु पौलुस किसी
समय मसीह का शत्रु और उससे घृणा
करने वाला रहा था। उसने मसीह के
अनुयाइयों को मारा था। परन्तु
यीशु ने उसे बदल दिया।

रमरण पद

इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को
चेला बनाओ, और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र
आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो। – मत्ती 28:19

एक दिन शाऊल; पौलुस नाम दिये जाने से पहले मार्ग से होकर जा रहा
था। एकाएक आकाश से बड़ी तेज रोशनी चमकी। जिसके कारण वह
भूमि पर गिर पड़ा। इससे वह अब्धा हो गया। तब शाऊल ने यह आवाज़
सुनी, “शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?” शाऊल ने पूछा, “हे प्रभु, तू
कौन है?” “मैं यीशु हूं, जिसे तू सताता है।” पौलुस भयभीत होकर कांप
रहा था। तीन दिन तक वह देख नहीं सका।



परमेश्वर ने शाऊल को चंगा किया और जहाँ कहीं भी वह गया उसने यीशु का
प्रचार किया और उसके बारे में सिखाया। शाऊल का नाम बाद में बदलकर
पौलुस कर दिया गया। उसने यीशु के लिए संसार को पलट दिया, सारी
महिमा परमेश्वर को देते और दूसरों को वैसा ही करने की शिक्षा देते हुए।

मैं यीशु का अनुसरण करने का
निमंत्रण किसे दे सकता हूं?

अधिकार

यीशु के नाम में, मैं प्रार्थना करता हूं। आमीन!

बरतिमाई अंधा था। वह सड़क के किनारे रहनेवाला एक भिखारी था। उसे यीशु और उसके अद्भुत कार्यों के बारे में पता था। उसने सुना था कि यीशु ने कैसे बीमारों, अंधों और उन्हें चंगा किया था जो चल नहीं सकते थे। बरतिमाई चाहता था कि यीशु उसे भी चंगा करे।

वाह!
अद्भुत!

तेरे विश्वास
ने तुझे चंगा कर
दिया है।

बरतिमाई ने पुकारा, “यीशु, स्वामी, मुझ पर दया करा!”

बरतिमाई के आस-पास के लोग निर्दयी थे। उन्होंने चिल्लाकर कहा, “चुप रह!” परन्तु बरतिमाई पुकारता रहा। यीशु ने उसकी आवाज सुनकर कहा, “उसे बुलाओ।” बरतिमाई अपना कपड़ा फेंककर यीशु की ओर भागा। यीशु ने पूछा, “तू क्या चाहता है?” बरतिमाई ने जवाब दिया, “मैं देखना चाहता हूं।”

यीशु,
मैं आपको देख
सकता हूं।

यीशु
अनोखा है!

बरतिमाई को विश्वास था कि यीशु में लोगों को चंगा करने की सामर्थ्य है। आप कल्पना कर सकते हैं कि सबसे पहले यीशु के चेहरे को देखकर वह कितना प्रसन्न हुआ होगा।

जब बरतिमाई ने यीशु को पुकारा तो उसने उसे जवाब दिया, और यीशु आपको भी जवाब देगा।

स्मरण पद

इस कारण परमेश्वर ने उसको अति महान भी किया, और उसको वह नाम दिया जो सब नामों में श्रेष्ठ है। - फिलिप्पियों 2:9

कार्य चरण



1. प्रार्थना वाचा का पुनरावलोकन करें।
2. 40 दिनों तक प्रार्थना वाचा की प्रार्थना करें।
3. प्रार्थना बाइबल पदों को स्मरण करें।
4. सही या गलत पर धेय लगायें और जवाबों के बारे में बात करें।

परमेश्वर के अनुग्रह ने मुझे
उनका प्रिय पुत्र बनाया है।

सही गलत

आज्ञा-पालन आशीर्णों को लाता है।

हमें केवल उनसे प्रेम करने को
कहा गया है जो हमसे प्रेम करते हैं।

सही गलत

यीशु चाहता है कि हम दूसरों को क्षमा
करें और उनके प्रति कोई द्वेष न रखें।

सही गलत

प्रसन्न होने पर ही हमें परमेश्वर
की स्वतुति करनी चाहिए।

सही गलत

जब हम यीशु का अनुसरण करने को समर्पित होते
हैं, वह हमें और भी अधिक अपने जैसा बनाता है।

सही गलत

पवित्र आत्मा हमारा मार्गदर्शक है।

सही गलत

यीशु के पास बच्चों के लिए समय नहीं था।

सही गलत

परमेश्वर दूसरों को यीशु के बारे में बताने के
लिए केवल व्यरुकों का ही उपयोग करता है।

सही गलत

स्वर्ग और पृथ्वी में सारी
सामर्थ्य परमेश्वर के पास है।

सही गलत

प्रार्थना में सामर्थ्य है क्योंकि
यीशु के नाम में सामर्थ्य है।

सही गलत

मेरे प्रार्थना करने पर परमेश्वर सुनता है।

सही गलत

बच्चों के लिए प्रार्थना वाचा

के द्वारा कैसे प्रार्थना करें



चरण 1

10 दिनों तक प्रतिदिन स्वयं प्रार्थना करें।

चरण 2

प्रार्थना करने पर, यीशु से आपको यह
दिखाने को कहें कि वह आपके द्वारा प्रार्थना
वाचा में किसे आमंत्रित करना चाहता है।

चरण 3

40 दिन के लिए उस व्यक्ति को आपके लिए
प्रार्थना करने को आमंत्रित करें जबकि आप
उनके लिए प्रार्थना कर रहे हैं। यह आपका
मित्र, मां, पिता, बहन, भाई, दादा-दादी,
शिक्षक या पास्टर हो सकता है।



चरण 4

अपने प्रार्थना, सहभागियों को उन तरीकों
के बारे में बतायें जिनके द्वारा परमेश्वर
आपकी प्रार्थनाओं का जवाब दे रहा है। आप
इसे लिख सकते हैं या इसका चित्र बना
सकते हैं।



चरण 5

निर्धारित बाइबल पदों को स्मरण करें।

चरण 6

दूसरों के साथ यीशु के शुभ सन्देश को बांटें।

चरण 7

नये प्रार्थना सहभागियों के साथ उपरोक्त
चरणों को दोहराएं जिससे आप सभी
मिलकर यीशु का अनुसरण कर सकें।

मेरा नाम है:

और मैंने आज से बच्चों के लिए प्रार्थना
वाचा पर प्रार्थना करना आरम्भ किया है।

आज की तिथि है: _____

मेरे प्रार्थना वाचा सहयोगी

नाम	तिथि
-----	------

नाम	तिथि
-----	------

नाम	तिथि
-----	------

बच्चों के लिए प्रार्थना वाचा

अनुग्रह

व्यारे पिता जो स्वर्ग में हैं, मुझसे प्रेम करने
और मुझे अपनी सन्तान बनाने के लिए
धन्यवाद।

प्रेम

आपसे प्रेम और आपका आज्ञा-पालन करने
में मेरी सहायता करें।

करण

जिस प्रकार आप मुझसे प्रेम करते हैं वैसे ही
दूसरों से प्रेम करने में मेरी सहायता करें।

पश्चाताप

मैं अपने पापों के लिए क्षमा चाहता हूँ। मुझे
धोकर शुद्ध करें।

आराधना

मैं अपने सम्पूर्ण हृदय से आपकी स्तुति
करूँगा।

समर्पण

यीशु, मैं आपको प्रभु मानकर आपका
अनुसरण करना चाहता हूँ। आप जैसे चाहें
वैसे मुझे बदलों।

निर्भरता

मुझे अपने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण करें।

प्रभाव

मुझे अपने अनुग्रह, सत्य और न्याय का
एक साधन बनायें।

शियता

अपनी महिमा के लिए और अन्य लोगों को
आपका अनुसरण करने का निर्मंत्रण देने को
मेरा उपयोग करें।

अधिकार

यीशु के नाम में, मैं प्रार्थना करता हूँ।